an>

Title: Regarding facility of health services in the country.

**श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) :** अध्यक्ष महोदया, यह सच है किसी देश का ग्रोथ रेट वहां के लोगों के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। लोगों का स्वास्थ भी देश की पूंजी है। मैं समझता हूं कि अगर देश की ग्रोथ रेट बढ़ानी है तो स्वास्थ्य चिकित्सा पर ध्यान देने की बहुत जरूरत है। मुझे इस बात का दुःख है कि पिछली सरकारों ने उस पर ध्यान नहीं दिया है। हमारी जी.डी.पी. का मात्र 1.1 प्रतिशत ही उस पर खर्च होता रहा है। जबकि चाइना जैसे देशों में उस पर जी.डी.पी. का 4 प्रतिशत से अधिक और अमेरीका जैसे देशों में 15 प्रतिशत से अधिक खर्च होता है। इसलिए हमारा सर्वाइवल रेट बहुत कम है, जैसे लीवर की बीमारियों में यह 4 प्रतिशत है, कैंसर में यह बहुत कम है। अमेरीका में सर्वाइवल रेट 50 प्रतिशत से भी अधिक है। आज गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ने "न्यू इंडिया टॉपअप हेल्थ प्लान चीपेस्ट', स्कीम के तहत हेल्थ इंश्योरैंस स्कीम इंट्रोडयूस की है। उसमें 43 साल के लोगों को लिया गया है और 60 साल वाले लोगों में से 1.6 प्रतिशत लोगों को लिया गया है, जबकि यह जरूरत उनकी है। 60 साल के बाद ही स्वास्थ्य चिकित्सा की ज्यादा जरूरत पड़ती है, लेकिन जिनको यह जरूरत है उनको यह नहीं मिलती है। हेल्थ इंश्योरैंस स्कीम कंप्रीहैंसिव होनी चाहिए। वह समाज को बांटने वाली नहीं होनी चाहिए। वह उम्र या बी.पी.एल. के साथ नहीं होनी चाहिए। अगर वह कंप्रिहैंसिव होगी तो सबको लाभ पहुंच पाएगा।

मैं सरकार को इस बात के लिए धन्यवाद देता हूं कि उसने जेनरिक मेडिसिन इंट्रोडयूस की है। आयुर्वेद की दवाइयां हमारे कॉलेजेज में होनी चाहिए और अस्पतालों में भी होनी चाहिए, उनका प्रचार भी होना चाहिए ताकि गरीब लोग सस्ता इलाज करा पाएं। यह मेरा निवेदन है।

**माननीय अध्यक्ष :** श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।